

केस अध्ययन के उत्तर

1. नन्दा को 30 सितम्बर को सुबह 7:20 पर बच्चा पैदा हुआ। प्रसव के समय 8 माह 5 दिन का गर्भकाल पूरा हो चुका था। शिशु का वज़न 1 कि.ग्रा 950 ग्रा. था। शिशु पहले 6 दिनों तक बिल्कुल ठीक था।

शिशु जन्म के समय सामान्य था या खतरे वाला ? सामान्य / खतरे वाला

यदि ठीक था तो क्यों ? यदि खतरे वाला था तो क्यों ? क्यों कि, समय से पूर्व जन्मा (8 महीने 14 दिन के गर्भकाल से कम में) और कम वज़न का (2 कि.ग्रा. से कम)

जन्म के बाद 28 दिनों तक आप शिशु को देखने कितनी बार जाएँगी ? 13

प्रसव के समय आप माँ को उसकी घरेलू देखभाल के बारे में क्या-क्या बताएँगी ?

1. शिशु को गर्म थैली के प्रयोग से और माँ के पास लिटाकर और/अथवा शरीर की त्वचा से चिपकाकर रखना
2. 2-2 घंटों में स्तनपान कराना
3. नहलाना नहीं
4. हर बार शिशु को छूने से पहले हाथ धोना
5. खतरे वाले लक्षण देखते ही तुरंत आशाको बुलाना;

सातवें दिन जब आशा वहाँ गई, उसने पाया कि शिशु ने स्तनपान करना बंद कर दिया है और उसका पेट फूला हुआ है। उसकी साँस तो ठीक चल रही थी, पर उसका रोना कमजोर था।

शिशु को क्या हुआ है ? सेप्सिस

आपने किन कारणों के आधार पर इस रोग का निदान किया ?

एक ही दिन दो लक्षण साथ-साथ दिखाई देना – स्तनपान करना बन्द कर दिया, और पेट फूला हुआ था।

2. कमल ने जन्म के अनुमानित समय से एक हफ्ते बाद शिशु को जन्म दिया। उसका वज़न 2.9 कि.ग्रा. था। वह तन्दुरुस्त और स्वस्थ था। आशाने कमल को उसे स्तनपान कराने में मदद की और एक घंटे बाद उसकी जाँच की। आठवें दिन माँ ने बताया कि शिशु ठंडा पड़ रहा है। उसका तापमान 94° फ़ै. (34.4° सें.) पाया गया। वह दूध पी रहा था और रो भी रहा था। उसका पेट मुलायम था और हाथ-पैर भी ठीक थे। उसकी नाल ठीक हो चुकी थी और वह ठीक से साँस ले रहा था, छाती अंदर धँसी नहीं थी।

आप क्या करेंगी और कैसे ?

शिशु को फिर से गर्म करने की कोशिश करेंगे।

- कमरे का तापमान बढ़ाकर
- गीले या ठंडे कम्बल/कपड़े हटाकर
- शिशु को माँ के शरीर से चिपकाकर रखें और उसकी पीठ या पेट पर गर्म कपड़ा (इतना गर्म न

हो कि जल जाए) रखें। कपड़ा ठंडा होते ही, बदलकर दूसरा गर्म कपड़ा उसके ऊपर रखें। ऐसा तब तक करते रहें जब तक कि शिशु का तापमान सामान्य न हो जाए।

- कपड़े पहनाएँ, गर्म थैली में रखें, टोपी पहनाएँ और माँ के पास लिटाएँ।

उसे बताएँ कि शिशु को गर्म रखना, अच्छी तरह कपड़े पहनाकर रखना और अपने शरीर से लगाकर रखना बहुत ज़रूरी है। उसे थोड़ी-थोड़ी देर में स्तनपान कराते रहें।

शिशु का तापमान लेने के लिए दिन में एक बार उसके पास जाएँ और फिर अगले दिन भी जाएँ। खतरनाक लक्षण दिखाई देते ही माँ तुरंत आशा को बुलाएँ (यदि शिशु स्तनपान करना बंद कर दे, या बहुत धीरे-धीरे रो रहा हो, आदि)

क्या उसे सेप्सिस हुआ है ? नहीं

यदि हाँ तो क्यों ? यदि नहीं तो क्यों नहीं ? उस दिन केवल एक ही लक्षण दिखाई दिया।

अगले दिन आप उसे फिर देखने गईं। तब उसका तापमान ठीक पाया गया।

आप उसके माता-पिता को क्या सलाह देंगी।

शिशु को ठीक से कपड़े पहनाकर रखना, गर्म रखना और माँ के शरीर से लगाकर रखना बहुत ज़रूरी है शिशु के शरीर का तापमान गिरना बहुत खतरनाक है, क्योंकि ऐसा होने पर उसमें सेप्सिस (जन्तुदोष) होने का खतरा बढ़ जाता है। उसे थोड़ी-थोड़ी देर में स्तनपान कराना चाहिए।

3. लीलाबाई को तीसरा बच्चा होने वाला था। शिशु का जन्म 7 महीने 24 दिन के गर्भकाल पूरा होने पर हुआ और उसका वज़न 1.550 कि.ग्रा. था। शिशु ने 14 दिन तक स्तनपान नहीं किया। पन्द्रहवें दिन उसने स्तनपान किया।

शिशु जन्म के समय कैसा था ? सामान्य / अधिक खतरे वाला

क्यों ? समय से पूर्व जन्म, कम वज़न का, ठीक से स्तनपान नहीं कर पा रहा।

पहले महीने में आप उसे देखने कितनी बार जाएँगी ? 13

पहले दिन आप उसके माता-पिता को क्या सलाह देंगी ?

1. गर्म थैली का प्रयोग करें, माँ के पास लिटाकर और/या शरीर की त्वचा से चिपकाकर रखने की विधि 1 के प्रयोग द्वारा शिशु को गर्म रखें।
2. स्तनों को दबाकर दूध निकालें और 2-2 घंटे पर शिशु को चम्मच से दूध पिलाएँ जब तक कि वह ठीक से स्तनपान न करने लगे (उसे प्रतिदिन स्तनों से लगाने की कोशिश करें)
3. उसे नहलाए नहीं
4. हर बार शिशु को छूने से पहले हाथ धोएँ।
5. खतरे वाले लक्षण देखते ही तुरंत आशाको बुलाएँ

सत्रहवें दिन शिशु को दो बार उल्टी हुई पर माँ ने स्तनपान कराना जारी रखा। वह ठंडा नहीं पड़ा था और ठीक से रो भी रहा था। अठ्ठाइसवें दिन उसका वज़न 2.250 कि.ग्रा. हो गया था।

अठ्ठाइसवें दिन आप किस निर्णय पर पहुँचेंगी ? शिशु का वज़न 2.3 कि.ग्रा. से कम था इसलिए दूसरे महीने में उसकी जाँच कम से कम 4 बार करनी चाहिए।

पैतालीसवें दिन शिशु के हाथ पैर लुंज पुंज थें और माँ ने बताया कि शिशु ठंडा पड़ पड़ रहा। आपने उसका तापमान लिया और 94° फ़ै. (34.4° सें.) पाया।

आपने क्या निदान किया ? सेप्सिस (जन्तुदोष)

क्यों ? हाथ पैर लुंज पुंज और शिशु ठंडा पड़ा हुआ

किस दिन उसे ऐसा हुआ ? 45वें दिन